जीवन का उद्धार करने वाली है रामकथाः स्वामी कैलाशानंद ब्रह्मचारी

संवाददाता हरिद्वार। म.म.स्वामी कैलाशानंद ब्रह्मचारी महाराज ने कहा कि रामकथा जीवन का उद्धार करने वाली है। जिसके श्रवण मात्र से व्यक्ति के अंतःकरण में ज्ञान का भण्डार प्रविष्ट हो जाता है। धर्म के मार्ग पर चलकर ही व्यक्ति परमात्मा की प्राप्ति कर सकता है। जयराम आश्रम में आयोजित श्रीराम कथा के विश्राम अवसर पर श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए स्वामी कैलाशानंद ब्रह्मचारी महाराज ने कहा कि जिस प्रकार वेदों और शास्त्रों ने मानव कल्याण के लिए विभिन्न प्रकार के मंत्र प्रदान किए हैं। उसी प्रकार रामकथा ने मानव मात्र के लिए आदर्श आचार संहिता प्रदान की है।

जिला प्रशासन व जागेश्वर मन्दिर समिति ने चलाया स्वच्छता अभियान

भनोली के तीन विभिन्न स्थानों में चलाया गया सफाई कार्यक्रम

अल्मोड़ा। **संवाददाता**

स्वच्छता अभियान कार्यक्रम की श्रृंखला में आज जिला प्रशासन व जागेश्वर मन्दिर समिति द्वारा तहसील भनोली के तीन विभिन्न स्थानों में सफाई कार्यक्रम चलाया गया। इस सफाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूली छात्र–छात्राओं, क्षेत्रीय जनता व जागेश्वर प्रबन्धन समिति के सदस्यों एवं पुजारियों ने भी प्रतिभाग कर विभिन्न स्थानों में सफाई अभियान चलाया। उपजिलाधिकारी जैंतीध्भनोली मोनिका के नेतृत्व में जागेश्वर, दन्यां एवं पनुवानौला में यह सफाई अभियान चलाया गया।

इस दौरान उपजिलाधिकारी ने कहा कि जागेश्वर में बाहर से आने वाले पर्यटकों की संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ रही है इस बात को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के दिशा–निर्देशानुसार यह सफाई अभियान चलाया गया है। उन्होंने बताया कि इसमें स्थानीय लोगो के अलावा विभिन्न विद्यालयों के अलावा पॉलीटैक्नीक एवं आईटीआई के छात्र–छात्राओं ने अपना सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि निरन्तर इस तरह के कार्यक्रम चलाये जायेंगे। उन्होंने समस्त लोगो से अपील कि अपने आस–पास कूड़ा न फेंके और अपने आस–पास सफाई रखें। इस अवसर पर जटागंगा के उद्गम स्थल मनतोला से शुरू होकर करीब 03 किमी0 कोटेश्वर तटबन्ध तक सफाई अभियान चलाया गया। जागेश्वर में एक मेडिकल कैम्प का भी आयोजन किया गया जिसमें 53 लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण के साथ–साथ उन्हें दवाईया वितरित की गयी। इस मेडिकल कैम्प में बेस अस्पताल अल्मोड़ा से डा0 ए0के0 जोशी व डा0 जीवन सिंह मपवाल द्वारा लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

स्वच्छता अभियान में उपजिलाधिकारी मोनिका, थाना प्रभारी दन्यां हरेन्द्र चौधरी, खण्ड विकास अधिकारी धौलादेवी महेश प्रसाद वशिष्ठ प्रबन्धक मन्दिर समिति भगवान भटट, उपाध्यक्ष गोविन्द गोपाल, पुजारी प्रतिनिधि भगवान भटट, मुख्य पुजारी हेमन्त भटट, प्रधान हरिमोहन, गिरीश भटट, दिनेश भटट के अलावा अनेक लोगो ने स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग किया।

स्वच्छता अभियान चलाते हुए।

सुपरफास्ट खबरें

बालगृह, संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया

संवाददाता हरिद्वार। उत्तराखण्ड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ऊषा नेगी रोशनाबाद स्थित राजकीय बालगृह, संप्रेक्षण गृह तथा राजकीय विशेष गृह का का निरीक्षण किया। निरीक्षण में श्रीमती नेगी ने कहा कि हमेशा व्यवस्थाओं की कमी का रोना न रोया जाए अपितु उपलब्ध संसाधनों में ही अच्छा कार्य करने का प्रयास किया जाए। मानव संसधान तथा अन्य साधन एवं आवश्यकताओं हेतु आयोग को पत्र लिखें जिससे शासन को अवगत कराया जा सके।

संकल्प की पवित्रता ही सिद्धि का मंत्रः बाबा रामदेव

संवाददाता हरिद्वार। स्वामीनारायण आश्रम भूपतवाला के पांच दिवसीय रजत जयन्ती समारोह के अर्न्तगत श्रीस्वामिनारायण सम्प्रदाय की वड्ताल गद्दी के महंत स्वामी घनश्याम प्रकाश महाराज की अध्यक्षता तथा स्वामी हरिबल्लभ दास शास्त्री के संयोजन में विराट संत सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में योगऋषि बाबा रामदेव ने कहा कि भारत की संत परम्परा ने ही समृद्ध भारत को आधार प्रदान किया है। ऋषि परम्परा का प्रतिनिधित्व संत समाज करता है।

कपाट खुलने के अवसर पर मौजूद रहे हजारों श्रद्धालु

जयकारों के साथ खुले तुंगनाथ धाम के कपाट

तुंगनाथ पुरी जय भोले के उदघोषों से गुंजायमान हो उठी

रुद्रप्रयाग। **संवाददाता**

बह्म बेला पर विद्वान आचार्यों द्वारा चोपता में भूतनाथ मन्दिर में भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली व साथ चल रहे अनेक देवी देवताओं के ?निशाणों की विशेष पूजा अर्चना कर आरती उतारी तथा भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली श्रद्धालुओं को आशीष देते हुए अपने धाम को रवाना हुई।

चोपता के व्यापारियों व देश–विदेश के श्रद्धालुओं ने भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली को लाल–पीले वस्त्र अर्पित कर मनौतिया मांगी। ठीक नौ बजे भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली अपने धाम के लिए रवाना हुई। भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली सुरम्य मखमली बुग्यालो में नृत्य करते हुए तथा यात्रा पडावों पर श्रद्धालुओं को आशीष देते हुए ठीक 12 बजे धाम पहुंची।

भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली के धाम पहुँचने पर तुंगनाथ पुरी जय भोले के उदघोषों से गुंजायमान हो उठी। भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली ने मुख्य मन्दिर की तीन परिक्रमा करने के बाद भगवान तुंगनाथ के कपाट ग्रीष्मकाल के लिए खोल दिये गये हैं।

कपाट खुलते ही भगवान तुंगनाथ के स्वयभू लिंग से चन्दन, भृगराज, पुष्प श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप वितरित किये गये तथा मठापति राम प्रसाद मैठाणी द्वारा भगवान तुंगनाथ का दान करने के बाद सैकड़ों श्रद्धालुओं ने तुगनाथ धाम पहुँच कर पुण्य अर्जित किया।

इस मौके पर हरिद्वार सांसद डॉ रमेश पोखरियाल निशंक, प्रबन्धक प्रकाश पुरोहित, कमल रावत, महेन्द्र रावत, नरेन्द्र सिंह नेगी, राजेश कुंवर, ममता कुंवर, कैलाश मैठाणी, ऋर्षि सेमवाल, आशीष मैठाणी, मोहन प्रसाद मैठाणी, अनिल पुरोहित, लक्ष्मण सिंह चौहान, रवीन्द्र मैठाणी, प्रियांशु मैठाणी, पंकज रावत, कर्मवीर बर्तवाल, जय सिंह चौहान, उषा भट्ट, कविता भट्ट, प्रदीप बजवाल, बिक्रम सिंह रावत, लम्बोदर प्रसाद मैठाणी, चन्द्र बल्लभ मैठाणी, भरत मैठाणी, प्रकाश मैठाणी, सुरेन्द्र प्रसाद मैठाणी, सतीश मैठाणी, रिवाधर मैठाणी, गंगोत्री राणा, शंकर सिंह नेगी सहित देश–विदेश के सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

मंदिर में प्रवेश करती भगवान तुंगनाथ की डोली।

खनन निति के अनुसार दिए पेनल्टी के आदेश

संवाददाता हरिद्वार। हरिद्वार लक्सर रोड़ का सडक सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी दीपक रावत, और एस0एस0पी0 जनमेजय खडूडी, संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। सडक सुरक्षा को लेकर किये जाने वाले उपाय, साइन एज, के लिए विशेष निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि ट्रेफिक मैनेजमेंट के लिए 150 पीआरडी जवान और अतिरिक्त होमगार्ड भी तैनात किये जायेगें।

जिलाधिकारी ने प्राथमिक रूप से रोड के किनारे की मिट्टी चोरी किये जाने के प्रकरण पर एसडीएम हरिद्वार की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने के आदेश दिये तथा उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार खनन नीति के अनुसार ठेकेदारों के विरूद्व पैनल्टी लगाने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि यदि किसी की दुर्घटना मे मृत्यू होती है तो सम्बन्धित ठेकेदार के विरूद्व मुकदमा दर्ज किया जाये। रोड के किनारे आवश्यकता से अधिक, मानक विरूद्व अधिक खुदाई करने पर मिट्टी निकालने के प्रमाण मिलने पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह दुर्घटना को आमंत्रित करता है।

जंगलों में आग बेकाबू, धधक रहे वन

वन विभाग के दावों की खुली पोल

अल्मोड़ा। **संवाददाता**

उत्तराखण्ड में भीषण गर्मी के बीच गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों में चारों तरफ जंगलों की आग बेकाबू होती जा रही है। अब तक कुमाऊं के जंगलों, वन पंचायतों और सिविल सोयम में 373.035 हेक्टेयर वन संपदा को नुकसान पहुंच चुका है। जंगल की आग नैनीताल के पटवाडांगर जैव प्रौद्योगिकी संस्थान के पुराने भवन की छत तक पहुंच गई। छत जलने के साथ ही भवन को भी नुकसान हुआ है। बाराकोट (चंपावत) वन क्षेत्र की आग जीआईसी परिसर तक पहुंच गई जिसे बमुश्किल बुझाया जा सका। पिथौरागढ़ के नाचनी क्षेत्र में धामी फल्याती और मूर्ति, कालूछीना के वनों में आग लगने से बहुमूल्य वन संपदा खाक हो गई है।

अल्मोड़ा के गैराड़ मंदिर से सटे जंगल, जौरासी, ताकुला ब्लाक में गणानाथ और मोहान तथा सोमेश्वर के जंगलों और मौलेखाल क्षेत्र में भी कई जंगलों में आग लगी है। नैनीताल जिले के ज्योलीकोट क्षेत्र के लगी आग से मनोरा रेंज के नैनागांव, देवीधूरा, बल्दियाखान, पटवारडांगर, ताकुला आदि क्षेत्रों में वन संपदा को काफी नुकसान पहुंचा है।

ओखलकांडा के छिड़ाखान, डालकन्या, बेडूचुला, बलना, बडौन गांव के जंगलों में लगी आग से वन संपदा को काफी नुकसान पहुंचा है। चंपावत में वनाग्नि बाराकोट जीआईसी परिसर तक पहुंच गई।

डीडीहाट के क्षनपट्टा के जंगलों में सीराकोट के नीचे, कनालीछीना के ग्राम पंचायत सिरौली के जंगल, गणाई गंगोली के वन पंचायत कूना भेतकुड़ी में आग से काफी नुकसान हुआ है।

देहरादून। उत्तराखंड के जंगल आग से सुलगने लगे हैं। सूबे में जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं टिहरी गढ़वाल के बालगंगा रेंज क्षेत्र के कार्यालय के आसपास आग लगी है। जो फायर सीजन में वन महकमे की तैयारियों की पोल खोल रही है। गौर हो कि तापमान बढ़ते ही जंगल भी तेजी से धधक रहे हैं। इससे वन विभाग की चिंता में भी इजाफा हो रहा है। वहीं घनसाली विधानसभा के बालगंगा क्षेत्र रेंज कार्यालय के जंगल में बीते दिन भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग कई हेक्टेयर भूमि में फैल गई। जबकि रेंज कार्यालय चमियाला बाजार से थोड़ा दूरी पर ही स्थित है। चमियाला नगर पंचायत के सभासद पूरब सिंह नेगी ने आग लगने की घटना पर वन विभाग की तैयारियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सूचना देने के बाद भी कोई वनकर्मी आग बुझाने नहीं गया। उन्होंने आगे कहा कि जब रेंज कार्यालय का क्षेत्र ही सुरक्षित नहीं तो अन्य जगह का क्या हाल होगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

यात्रियों की सुविधा के लिए पुलिस ने किया सन यात्रा एप लांच

सुविधा

एप गूगल प्लेस्टोर पर भी उपलब्ध है

रुद्रप्रयाग। **संवाददाता**

रुद्रप्रयाग पुलिस ने चारधाम यात्रा को देखते हुए तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सन यात्रा एप लांच किया है। यात्री अपने मोबाइल में एप डाउनलोड कर केदारनाथ से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारी ले सकते हैं।

भगवान केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद पुलिस भी तीर्थयात्रियों को सुविधा देने के लिए जुट गई है।

पुलिस अधीक्षक अजय सिंह के निर्देशन में यात्रियों की सुविधा के लिए सन यात्रा एप लांच किया गया है। यह एप गूगल प्लेस्टोर पर भी उपलब्ध है। इस एप को श्रद्धालु गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करेंगे और इसके बाद कई जरूरी जानकारियों का लाभ ले सकेंगे। पुलिस के इस एप को शुरू करने के लिए यात्रियों को अपने मोबाइल नम्बर व पासवर्ड के साथ लॉगइन करना होगा। इसके बाद एप जीपीएस एवं लोकेशन पर कार्य करेगा। यात्री को केदारनाथ मन्दिर, यात्रा मार्ग, विभिन्न सुविधाएं, घोड़े–खच्चर, डोली (डण्डी), कण्डी की दर, पुलिस सहायता केन्द्र, सभी थाना–चौकियों, जिले के पर्यटन स्थलों आदि के बारे में जानकारी मिलेगी। साथ ही एप के जरिए यात्री अपनी शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं, जिन पर पुलिस का यात्रा प्रकोष्ठ आवश्यक कार्यवाही करेगा।

पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि यात्री अपनी शिकायत को पुलिस के यात्रा प्रकोष्ठ के मोबाइल 9410303070 एवं 112 पर कॉल कर भी दे सकते हैं।